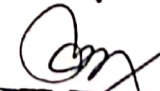


आदेश पत्रक
(वेचें अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम 129)

आदेश फलक ता० से तक
 जिला-सिमडेगा सं० सन् 2000
 केस का प्रकार अनुमति पाव सं० 15 / 2020-21
 धारा 48 के अन्तर्गत

1 का के क्रम संख्या और तारीख	2 आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	3 आदेश पर की कार्रवाई के बारे तारीख सहित टिप्पणी										
<p>18/7/20</p>	<p align="center">2</p> <p>आवेदक <u>श्री दाग भूपण बरला</u> पिता/प्रति <u>श्री स्व० स्यामपति बरला</u> ग्राम <u>सोमड़ा चण्डियापट्टी</u> <u>धाना सिमडेगा</u> जिला-सिमडेगा ने निम्नांकित विवरण की भूमि को प्रस्तावित क्रेता <u>श्री श्री मे.डी.लाल शुक्ल</u> पिता/प्रति <u>श्री स्व० जोगेश्वर शुक्ल</u> ग्राम <u>सखसेवर्ष चौपताटोली</u> धाना <u>सिमडेगा</u> जिला-सिमडेगा को छोटानागपुर कारतकारी अधिनियम, 1908 की धारा-48 के अन्तर्गत <u>श्री वि.डी</u> हेतु अनुमति के निर्मित आवेदन पत्र अर्पित किया है। क्रेता एवं विक्रेता का प्रतिशपथ पत्र के साथ अधिवक्ता की नियुक्ति पत्र भी जमा की गई है।</p> <p align="center">भूमि का विवरण</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>मीजा</th> <th>धाना/धाना न०</th> <th>खाता सं०</th> <th>प्लॉट सं०</th> <th>रकबा</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>गख्जा</td> <td><u>सिमडेगा</u> 80</td> <td>3</td> <td>1806</td> <td>1.17 <u>१</u> <u>१</u> 0.10 <u>१</u></td> </tr> </tbody> </table> <p>कुल आवेदित रकबा (शब्दों में) <u>एक-दिसमीन</u> मात्र। आम इशतहार निर्गत करें। साथ ही अंचलाधिकारी, <u>सिमडेगा</u> से विस्तृत जीव प्रतिवेदन की मांग करें। अभिलेख दिनांक <u>5/8/20</u> को रखें।</p> <p align="right">  मूमि सुधार उप समाहर्ता, सिमडेगा। </p>	मीजा	धाना/धाना न०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	गख्जा	<u>सिमडेगा</u> 80	3	1806	1.17 <u>१</u> <u>१</u> 0.10 <u>१</u>	
मीजा	धाना/धाना न०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा								
गख्जा	<u>सिमडेगा</u> 80	3	1806	1.17 <u>१</u> <u>१</u> 0.10 <u>१</u>								

22.8.21

अभिलेख उपस्थापित। नोटिश की तामिला प्रति प्राप्त। अंचल अधिकारी का जाँच प्रतिवेदन अप्राप्त। आवेदक/विकेता या उनके विद्वान अधिवक्ता द्वारा भी किसी प्रकार की कोई पैरवी नहीं किया गया है। अभिलेख दिनांक...20.10.21...को उपस्थापित करें।


L. R. B. S.

20.10.21

अभिलेख उपस्थापित। अंचल अधिकारी का जाँच प्रतिवेदन अप्राप्त। विकेता की ओर से स्वयं आवेदक/विकेता या उनके विद्वान अधिवक्ता द्वारा भी किसी प्रकार की कोई पैरवी नहीं किया गया है। अभिलेख दिनांक...16.11.21...को उपस्थापित करें।


L. R. B. S.

16.11.21

अभिलेख उपस्थापित। नोटिश की तामिला प्रति प्राप्त। अंचल अधिकारी का जाँच प्रतिवेदन अप्राप्त। आवेदक/विकेता की ओर से स्वयं आवेदक/विकेता या उनके विद्वान अधिवक्ता द्वारा भी किसी प्रकार की कोई पैरवी नहीं किया गया है। इस वाद में प्रतित होता है कि इसमें विकेता को किसी प्रकार कोई अभिरुची नहीं है साथ ही अंचल अधिकारी के द्वारा भी अभी तक जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस वाद में काफी लम्बा समय व्यतित हो गया है एवं वाद की कारवाई को और लम्बित रखना उचित प्रतित नहीं होता है। अतः वाद की कारवाई समाप्त किया जाता है। यदि आवेदक चाहें तो पुनः आवेदन कर सकते हैं।


L. R. B. S.